

February 2025



- | | | |
|---|--|---|
| ☐ 1. <u>John 15:12-13</u> | ☐ 14. <u>John 14:15</u> | ☐ 24. <u>Mark 12:29-31</u> |
| ☐ 2. <u>John 3:16</u> | ☐ 15. <u>Proverbs 10:12</u> | ☐ 25. <u>Romans 13:8</u> |
| ☐ 3. <u>Eph. 4:22-24</u> | ☐ 16. <u>Deut. 7:9</u> | ☐ 26. <u>Romans 13:10</u> |
| ☐ 4. <u>Col. 3:14-17</u> | ☐ 17. <u>Psalms 86:15</u> | ☐ 27. <u>Prov. 20:6-7</u> |
| ☐ 5. <u>1 John 4:8</u> | ☐ 18. <u>Proverbs 18:22</u> | ☐ 28. <u>1 Cor. 13:13</u> |
| ☐ 6. <u>Ephesians 5:25</u> | ☐ 19. <u>S. of Songs 3:4</u> | ☐ |
| ☐ 7. <u>1 John 4:18</u> | ☐ 20. <u>Gen. 2:22-24</u> | ☐ |
| ☐ 8. <u>Romans 5:8</u> | ☐ 21. <u>Proverbs 5:18-19</u> | ☐ |
| ☐ 9. <u>1 John 4:7</u> | ☐ 22. <u>S. of Songs 8:9</u> | |
| ☐ 10. <u>1 John 4:19</u> | ☐ 23. <u>Prov. 31:10-12</u> | |
| ☐ 11. <u>1 Cor. 13:4-8</u> | | |
| ☐ 12. <u>1 Peter 4:8</u> | | |
| ☐ 13. <u>Ephesians 4:2</u> | | |

